This Question Paper consists of **51** questions and **16** printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे **51** प्रश्नाः एवम् **16** मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में **51** प्रश्न तथा **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्कः
रोल नं.

Code No.
गूढसंख्या **70/SS/O**
कोड नं.

SET
स्तवकः **A**
सेट

VEDA ADHYAYAN
वेदाध्ययनम्
वेद अध्ययन
(345)

Day and Date of Examination :
परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ________________

Signature of Invigilators :
निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. ________________

2. ________________

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

सामान्या निर्देशाः –

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।

2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।

4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **70/SS/O,** स्तवक- **A** नूनं लेख्या।

7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर–पत्र में लिखना है।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5. उत्तर–पत्र में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6. अपने उत्तर–पत्र में प्रश्न–पत्र का कोड नं. **70/SS/O,** सेट- **A** अवश्य लिखें।

7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

NOTE / निर्देश :

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

VEDA ADHYAYAN
वेदाध्ययनम्
वेद अध्ययन
(345)

परीक्षासमयावधिः – होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः – 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः :

निर्देश :

(1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 20, [B] भागे 15, [C] भागे 6, [D] भागे 6, [E] भागे 4 इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न–पत्र में [A] भाग में 20, [B] भाग में 15, [C] भाग में 6, [D] भाग में 6, [E] भाग में 4, कुल मिलाकर 51 प्रश्न शामिल हैं।

(2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिनी ओर की संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(4) A भागे प्र.सं. 1 तः 20 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

A भाग में प्र.सं. 1 से 20 तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQ) प्रत्येक एक अंक के होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।

(5) B भागे प्र.सं. 21 तः 35 पर्यन्तम् वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्–असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

भाग B में प्रश्न 21 से 35 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य–असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उन्हें निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

(6) **C** भागे प्र.सं. **36** तः **41** पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **30** तः **50** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **C** में प्रश्न संख्या **36** से **41** तक प्रत्येक दो–दो अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न है। निर्देशानुसार उन्हें **30** से **50** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(7) **D** भागे प्र.सं. **42** तः **47** पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **D** में प्रश्न संख्या **42** से **47** तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उन्हें **50** से **80** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(8) **E** भागे प्र.सं. **48** तः **51** पर्यन्तम् दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **E** में प्रश्न संख्या **48** से **51** तक प्रत्येक पांच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उन्हें **80** से **100** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(9) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(10) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखें।

(11) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

उत्तर पुस्तिका पर स्व–पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(12) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(13) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

जांचें कि क्या प्रश्नपत्र की पत्रसंख्या और प्रश्नों की संख्या पहली पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(14) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[A] अधोलिखितानां विंशतिप्रश्नानां **(1-20)** प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत – **20×1=20**
निम्नलिखित बीस **(1-20)** प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

1 पुराणमते वेदव्यासः कम् अथर्ववेदम् अध्यापयत् ?

(क) आदित्यम् (ख) अङ्गिरसम्
(ग) सुमन्तुम् (घ) वायुम्

पुराण के अनुसार वेदव्यास ने किसे अथर्ववेद पढ़ाया ?

(क) आदित्य को (ख) अङ्गिरस् को
(ग) सुमन्तु को (घ) वायु को

2 ब्राह्मणग्रन्थानां मुख्य प्रतिपाद्यं किमस्ति ?

(क) नामधेयम् (ख) विधिः
(ग) अर्थवादः (घ) स्तुति

ब्राह्मणग्रन्थों का मुख्य प्रतिपाद्य क्या है ?

(क) नामधेय (ख) विधि
(ग) अर्थवाद (घ) स्तुति

3 आश्वलायनमते ब्राह्मणद्रष्टारः के भवन्ति ?

(क) ऋषयः (ख) मुनयः
(ग) आचार्याः (घ) संन्यासिनः

आश्वलायन के मत में ब्राह्मण ग्रन्थों के द्रष्टा कौन हैं ?

(क) ऋषि (ख) मुनि
(ग) आचार्य (घ) संन्यासी

4 ऐतरेयारण्यकं केन वेदेन सह सम्बद्धमस्ति ?

(क) ऋग्वेदेन (ख) यजुर्वेदेन
(ग) सामवेदेन (घ) अथर्ववेदेन

ऐतरेय आरण्यक किस वेद से सम्बद्ध है ?

(क) ऋग्वेद से (ख) यजुर्वेद से
(ग) सामवेद से (घ) अथर्ववेद से

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

5 प्रश्नोपनिषत् केन वेदेन सह सम्बद्धा अस्ति?

(क) ऋग्वेदेन (ख) यजुर्वेदेन

(ग) सामवेदेन (घ) अथर्ववेदेन

प्रश्नोपनिषत् किस वेद से सम्बद्ध है?

(क) ऋग्वेद से (ख) यजुर्वेद से

(ग) सामवेद से (घ) अथर्ववेद से

6 किं वेदाङ्गं वेदस्य श्रोत्रमिति कथ्यते?

(क) व्याकरणम् (ख) निरुक्तम्

(ग) शिक्षा (घ) कल्पः

कौनसा वेदाङ्ग वेद का श्रोत कहलाता है?

(क) व्याकरण (ख) निरुक्त

(ग) शिक्षा (घ) कल्प

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

7 अभ्यस्तानादेः कः स्वरः भवति?

(क) अदात्तः (ख) अनुदात्तः

(ग) स्वरितः (घ) प्रचयः

अभ्यस्तों के आदि में कौन सा स्वर होता है?

(क) उदात्त (ख) अनुदात्त

(ग) स्वरित (घ) प्रचय

8 घृतादीनां शब्दानां कः स्वरः उदात्तः भवति?

(क) आदिस्वरः (ख) अन्त्यस्वरः

(ग) मध्यस्वरः (घ) न कोऽपि

घृतादि शब्दों का कौन सा स्वर उदात्त होता है?

(क) आदिस्वर (ख) अन्त्यस्वर

(ग) मध्यस्वर (घ) कोई भी नहीं

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

9 पादान्ते 'यथा' इति कीदृशं पदं भवति ?

(क) उदात्तम् (ख) अनुदात्तम्

(ग) स्वरितम् (घ) स्वररहितम्

पादान्त में यथा यह पद कैसा है ?

(क) उदात्त (ख) अनुदात्त

(ग) स्वरित (घ) स्वररहित

10 आद्युदात्तश्च इति कीदृशं सूत्रम् ?

(क) अधिकारसूत्रम् (ख) विधिसूत्रम्

(ग) नियमसूत्रम् (घ) अतिदेशसूत्रम्

आद्युदात्तश्च यह कैसा सूत्र है ?

(क) अधिकारसूत्र (ख) विधिसूत्र

(ग) नियमसूत्र (घ) अतिदेशसूत्र

11 चतुर्थी तदर्थे इत्यनेन सूत्रेण कः स्वरः विधीयते ?

(क) उदात्तः (ख) अनुदात्तः

(ग) स्वरितः (घ) प्रकृतिस्वरः

चतुर्थी तदर्थे इस सूत्र से कौनसे स्वर का विधान होता है ?

(क) उदात्त (ख) अनुदात्त

(ग) स्वरित (घ) प्रकृतिस्वर

12 'लोट् च' इति सूत्रेण कस्य स्वरस्य निषेधः क्रियते ?

(क) उदात्तस्य (ख) अनुदात्तस्य

(ग) स्वरितस्य (घ) न कस्यापि

लोट् च इस सूत्र से किस स्वर का निषेध किया जाता है ?

(क) उदात्त का (ख) अनुदात्त का

(ग) स्वरित का (घ) किसी का नहीं

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

13 'ईड्यः' इत्यस्य कोऽर्थः ?

(क) स्तुत्यः (ख) पूज्यः

(ग) वन्द्यः (घ) वाच्यः

'ईड्य' का क्या अर्थ है ?

(क) स्तुत्य (ख) पूज्य

(ग) वन्द्य (घ) वाच्य

14 अक्षसूक्तस्य ऋषिः कः ?

(क) मधुच्छन्दा (ख) विश्वामित्रः

(ग) गृत्समदः (घ) ऐलूषकवषः

अक्षसूक्त का ऋषि कौन है ?

(क) मधुच्छन्दा (ख) विश्वामित्र

(ग) गृत्समद (घ) ऐलूषकवष

15 पर्जन्यसूक्तस्य देवता का ?

(क) इन्द्रः (ख) पर्जन्यः

(ग) अत्रिः (घ) वृष्टिः

पर्जन्य सूक्त का देवता कौन है ?

(क) इन्द (ख) पर्जन्य

(ग) अत्रि (घ) वृष्टि

16 मनुमत्स्यकथा क्व प्राप्यते ?

(क) तैत्तिरीयब्राह्मणे (ख) शतपथब्राह्मणे

(ग) ऐतरेयब्राह्मणे (घ) गोपथब्राह्मणे

मनुमत्स्यकथा कहाँ प्राप्त होती है ?

(क) तैत्तिरीय ब्राह्मण में (ख) शतपथ ब्राह्मण में

(ग) ऐतरेय ब्राह्मण में (घ) गोपथ ब्राह्मण में

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

17 ज्योतिषामेकं ज्योतिः किम् ?

(क) चित्तम् (ख) सूक्ष्मशरीरम्

(ग) मनः (घ) बुद्धिः

ज्योतियों में एक ज्योति कौन है ?

(क) चित्त (ख) सूक्ष्मशरीर

(ग) मन (घ) बुद्धि

18 स्वर्गस्य प्रथमः दैव्यः वैद्यः कः ?

(क) रुद्रः (ख) आदित्यः

(ग) सुश्रुतः (घ) चरकः

स्वर्ग का प्रथम दिव्य वैद्य कौन है ?

(क) रुद्र (ख) आदित्य

(ग) सुश्रुत (घ) चरक

19 भूतस्य भव्यस्य च पत्नी का ?

(क) अदितिः (ख) पृथ्वी

(ग) दितिः (घ) शची

भूत एवं भव्य की पत्नी कौन है ?

(क) अदिति (ख) पृथ्वी

(ग) दिति (घ) शची

20 देवशूनी का आसीत् ?

(क) इन्द्रस्य पत्नी (ख) बृहस्पतेः पत्नी

(ग) इन्द्रस्य दूती (घ) रुद्रस्य पत्नी

देवशूनी कौन थी ?

(क) इन्द की पत्नी (ख) बृहस्पति की पत्नी

(ग) इन्द्र की दूती (घ) रुद्र की पत्नी

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[B] पञ्चादशप्रश्नानां **(21-35)** यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत **15×2=30**

निर्देशानुसार **(21-35)** पंद्रह प्रश्नों के उत्तर लिखिए

21 मेलनं कुरुत –

(क) अवसाननिर्णयशिक्षा – (1) बालकृष्णः

(ख) प्रातिशाख्यप्रदीपशिक्षा – (2) श्रीरामकृष्णः

– (3) अनन्तदेवः

मिलान कीजिए –

(क) अवसाननिर्णयशिक्षा – (1) बालकृष्ण

(ख) प्रातिशाख्यप्रदीपशिक्षा – (2) श्रीरामकृष्ण

– (3) अनन्तदेव

22 मेलनं कुरुत –

(क) आद्युदात्तः – (1) अन्तश्च तवै युगपत्

(ख) अन्तोदात्तः – (2) उञ्छादीनां च

– (3) ङयि च

मिलान कीजिए –

(क) आद्युदात्त – (1) अन्तश्च तवै युगपत्

(ख) अन्तोदात्त – (2) उञ्छादीनां च

– (3) ङयि च

23 मेलनं कुरुत –

(क) अथादिप्राक् शकटेः – (1) विधिसूत्रम्

(ख) शेषं सर्वमनुदात्तम – (2) नियमसूत्रम्

– (3) अधिकारसूत्रम्

मिलान कीजिए –

(क) अथादिप्राक् शकटेः – (1) विधिसूत्र

(ख) शेषं सर्वमनुदात्तम – (2) नियमसूत्र

– (3) अधिकारसूत्र

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

24 मेलनं कुरुत –

(क) कर्त्तव्यम्	–	(1)	आद्युदात्तश्च
(ख) यज्ञस्य	–	(2)	अनुदात्तौ सुप्पितौ
	–	(3)	चितः

मिलान कीजिए –

(क) कर्त्तव्यम्	–	(1)	आद्युदात्तश्च
(ख) यज्ञस्य	–	(2)	अनुदात्तौ सुप्पितौ
	–	(3)	चितः

25 मेलनं कुरुत –

(क) चतुर्थी तदर्थे	–	(1)	श्रेणिकृता
(ख) तृतीया कर्मणि	–	(2)	दात्रलूनः
	–	(3)	यूपदारु

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

मिलान कीजिए –

(क) चतुर्थी तदर्थे	–	(1)	श्रेणिकृता
(ख) तृतीया कर्मणि	–	(2)	दात्रलून
	–	(3)	यूपदारु

26 निम्नलिखितानि वाक्यानि पठित्वा सत्यम् असत्यं च चिनुत –

(क) अथर्ववेदस्य नव शाखाः सन्ति।

(ख) सम्प्रति अर्थववेदस्य तिस्रः शाखाः प्राप्यन्ते।

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) अथर्ववेद की नौ शाखाएँ हैं।

(ख) वर्त्तमान में अथर्ववेद की तीन शाखाएँ प्राप्त होती है।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

27 निम्नलिखितानि वाक्यानि पठित्वा सत्यम् असत्यं च चिनुत –

(क) आरण्यकानि प्रपाठकेषु विभज्यन्ते।

(ख) उपनिषत् प्रस्थानत्रय्यां प्रथमं स्थानम् आवहन्ति।

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) आरण्यक प्रपाठकों में विभाजित है।

(ख) उपनिषद प्रस्थानत्रयी में प्रथम स्थान पर है।

28 निम्नलिखितानि वाक्यानि पठित्वा सत्यम् असत्यं च चिनुत –

(क) दाशुषे इत्यत्र क्वसु–प्रत्ययः।

(ख) ऋग्वेदस्य त्रिशतसूक्तेषु अग्नेः स्तुतिः विद्यते।

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) दाशुषे यहाँ पर क्वसु प्रत्यय है।

(ख) ऋग्वेद के तीन सौ सूक्तों में अग्नि की स्तुति की गई है।

UNNATI EDUCATIONS

29 निम्नलिखितानि वाक्यानि पठित्वा सत्यम् असत्यं च चिनुत –

(क) ऋग्वेदस्य पञ्चमे मण्डले त्र्यशीतितमं सूक्तम् – पर्जन्यसूक्तम।

(ख) हस्तप्रक्षालनसमये कश्चित् क्षुद्रः मण्डूकः मनोः हस्ते पतितः।

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) ऋग्वेद के पाँचवें मण्डल में तैंतीसवाँ सूक्त है – पर्जन्यसूक्त

(ख) हाथ दोते समय कोई छोटा मेंढक मनु के हाथ में गिरा।

30 निम्नलिखितानि वाक्यानि पठित्वा सत्यम् असत्यं च चिनुत –

(क) रुद्रः ताम्रवर्णः नास्ति।

(ख) 'कदर्पिनः' इति रूद्रस्य विशेषणम् अस्ति।

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) रुद्र ताम्रवर्ण का नहीं है।

(ख) कदर्पी यह रुद्र का विशेषण है।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

31 निम्नलिखितानि वाक्यानि पठित्वा सत्यम् असत्यं च चिनुत –

(क) पणयः असुराः आसन्।

(ख) पणयः देवतानां गाः चोरितवन्तः।

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) पणि असुर थे।

(ख) पणियों ने देवताओं की गाएँ चुराई।

32 रिक्त स्थानं योग्यपदेन पूरयत।

(क) तिङो ________ कुत्सनाभीक्ष्ण्ययोः।

(ख) पूजनात्पूजितम् ________ काष्ठादिभ्यः।

रिक्त स्थान की योग्य पद से पूर्ति कीजिए –

(क) तिङो ________ कुत्सनाभीक्ष्ण्ययोः।

(ख) पूजनात्पूजितम् ________ काष्ठादिभ्यः।

33 रिक्त स्थानं योग्यपदेन पूरयत।

(क) अग्ने यं यज्ञमध्वरं ________ परिभूरसि।

(ख) यदङ्ग दाशुषे ________ भद्रं करिष्यति।

रिक्त स्थान की योग्य पद से पूर्ति कीजिए –

(क) अग्ने यं यज्ञमध्वरं ________ परिभूरसि।

(ख) यदङ्ग दाशुषे ________ भद्रं करिष्यति।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

34 रिक्त स्थानं योग्यपदेन पूरयत।

(क) येन यज्ञस्तायते सप्तहोता, तन्मे मनः ________ अस्तु।

(ख) न तस्य ________ अस्ति यस्य नाम महद्यशः।

रिक्त स्थान की योग्य पद से पूर्ति कीजिए –

(क) येन यज्ञस्तायते सप्तहोता, तन्मे मनः ________ अस्तु।

(ख) न तस्य ________ अस्ति यस्य नाम महद्यशः।

35 रिक्त स्थानं योग्यपदेन पूरयत।

(क) सत्यं ________ दीक्षा तपो ब्रह्म यज्ञः पृथिवीं धारयन्ति।

(ख) माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः। ________ पिता स उ नः पिपर्तु।

रिक्त स्थानं की योग्य पद से पूर्ति कीजिए –

(क) सत्यं ________ दीक्षा तपो ब्रह्म यज्ञः पृथिवीं धारययन्ति।

(ख) माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः। ________ पिता स उ नः पिपर्तु।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[C] षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत – 6×2=12

निर्देशानुसार छह प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

36 प्रजापतिसूक्तं कुत्र वर्त्तते ?

अथवा

प्रजापतिसूक्तस्य ऋषिः कः ? देवता च का ?

प्रजापति सूक्त कहाँ है ?

अथवा

प्रजापति सूक्त का ऋषि कौन है ? और देवता कौन है ?

37 रुद्राध्यायः कुत्र विद्यते ? रुद्रश्च कुत्र निवसति ?

अथवा

'कदर्पी' पदस्य कोऽर्थः ? रुद्रदेवस्य प्रतीकं किम् ?

रुद्राध्याय कहाँ है ? और रुद्र कहाँ निवास करता है ?

अथवा

'कदर्पी' पद का क्या अर्थ है ? रुद्रदेव का प्रतीक क्या है ?

38 'विधिः' शब्दस्य कोऽर्थः ? कति ऋत्विजाः भवन्ति ?

विधि शब्द का क्या अर्थ है ? कितने ऋत्विज हैं ?

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

39 प्रस्थानत्रय्यां द्वितीयं सोपानं किम् ? तृतीयं च किम् ?

अथवा

शङ्कराचार्यः कति उपनिषदां भाष्यं कृतवान ? काश्च ताः ?

प्रस्थानत्रयी में द्वितीय सोपान कौन है ? और तृतीय कौन है ?

अथवा

शंकराचार्य ने कितने उपनिषदों का भाष्य किया है ? और वे कौनसी है ?

40 वृषादिगणे पठिताः शब्दाः कीदृक्स्वरयुक्तः भवन्ति ? तद्विधायकं सूत्रं लिखत।

वृषादिगण में पठित शब्द कैसे स्वर से युक्त होते हैं ? उसका विधायक सूत्र लिखिए।

41 'चादयोऽनुदात्ताः' सूत्रस्य अर्थमुदाहरणं च लिखत।

'चादयोऽनुदात्ताः' सूत्र अर्थ और उदाहरण लिखिए।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[D] षट् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त – **6×3=18**

छह लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

42 समासे प्रकृतिस्वरविधायकं सूत्रत्रयं सार्थं लिखत।

समास में प्रकृति स्वर विधायक तीन सूत्रों को अर्थसहित लिखिए।

43 'हि च' इति सूत्रं व्याख्यात।

अथवा

'लोपे विभाषा' इति सूत्रं व्याख्यात।

'हि च' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

अथवा

'लोपे विभाषा' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

44 निरूक्तमाश्रित्य टीका लेख्या।

निरुक्त को आधार बनाकर टिप्पणी लिखिए।

45 'यत् ते मध्यं पृथिवि यच्च नभ्यम्', इति मन्त्रं पूरयत।

अथवा

'यत् ते मध्यं पृथिवि यच्च नभ्यम्', इत्यस्य मन्त्रस्य सरलार्थं लिखत।

'यत् ते मध्यं पृथिवि यच्च नभ्यम्' इस मन्त्र को पूरा कीजिए।

अथवा

'यत् ते मध्यं पृथिवि यच्च नभ्यम्' इस मन्त्र का सरलार्थ लिखिए।

46 'सर्वे निमेषा.....' इति मन्त्रं पूरयत।

अथवा

जज्ञिरे पदस्य पदपरिचयं लिखत।

'सर्वे निमेषा....' यह मन्त्र पूरा कीजिए।

अथवा

जज्ञिरे पद का परिचय लिखिए।

47 अभ्यवहार, आपद्यासै, अवग्नेयम् इति पदत्रयस्य व्युत्पत्तिः लेख्याः।

अभ्यवहार, आपद्यासै, अवग्नेयम् इन पदों की व्युत्पत्ति लिखिए।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[E] चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः – **4×5=20**

चार दीर्घ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

48 व्याकरणस्य उपयोगित्वं विवृणुत।

अथवा

कल्पस्य उपयोगित्वं विवृणुत।

व्याकरण की उपयोगिता का विवेचन कीजिए।

अथवा

कल्प की उपयोगिता का विवेचन कीजिए।

49 शिवसङ्कल्पसूक्तस्य सारं लिखत।

अथवा

प्रजापतिस्वरूपं विवृणुत।

शिवसंकल्प सूक्त का सार लिखिए।

अथवा

प्रजापति के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

50 तद्धितस्य इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्येयम्।

तद्धितस्य इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

51 मनुमत्स्यकथां विवृणुत।

मनुमत्स्य कथा का विवेचन कीजिए।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279